साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24				
CLASS - 10 SUBJECT - हिन्दी				
माह	**सप्ताह**	**पाठ का नाम**	**कालांश**	**अधिगम प्रतिफल**
जून	**सप्ताह- 1,2 और 3**	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 10. स्वयं प्रकाश- नेताजी का चश्मा	4	स्वयं प्रकाश- नेताजी का चश्मा अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय मौखिक और लिखित रूप में व्यक्त करते हैं। आँखों से न देख सकने वाले साथी की ज़रुरत की पाठ्यसामग्री को उपलब्ध कराने के संबंध में पुस्तकालयाध्यक्ष से बोलकर और लिखकर निवेदन करते हैं। न बोल सकने वाले साथी की बात को समझकर अपने शब्दों में बताते हैं। देशभक्ति की भावना को पुष्ट करते हैं।
	सप्ताह- 4	पद्य खंड सूरदास-पद	4	सूरदास-पद भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। अन्य भाषा संरचनाओं की समझ विकसित करते हैं, जैसे- हिन्दी और ब्रजभाषा कविता में प्रयुक्त भाषा सौन्दर्य को पहचानना जैसे- अलंकार इत्यादि।
	सप्ताह- 5	रचना पत्र लेखन	3	पत्र औपचारिक पत्र- जैसे- प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं। आँखों से न देख सकने वाले साथी की ज़रुरत की पाठ्यसामग्री को उपलब्ध कराने के संबंध में पुस्तकालयाध्यक्ष से बोलकर और लिखकर निवेदन करते हैं।
जुलाई	**सप्ताह- 1 और 2**	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 11. रामवृक्ष बेनीपुरी- बालगोबिन भगत	4	रामवृक्ष बेनीपुरी- बालगोबिन भगत भाषा के कथात्मक पक्ष को जानते हैं।साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होते हैं, जैसे- रेखाचित्र। रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य दृश्य-श्रव्य संचार माध्यमों से प्रसारित, प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी/विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं। मनुष्यता, लोकसंस्कृति एवं सामूहिक चेतना का प्रतीक एक विलक्षण चरित्र से परिचित होते हैं।
	सप्ताह- 3	कृतिका भाग-2 शिवपूजन सहाय- माता का अँचल		शिवपूजन सहाय- माता का अँचल नयी रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति-विशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं।जैसे- दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि। संवेदनशीलता जैसे- वात्सल्य-भाव को अनुभव करते हैं।
	सप्ताह-4	व्याकरण पद परिचय रचना निबंध	1 3	पद परिचय विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। शब्द और पद में अंतर करते हैं। वाक्य में पद की पहचान करते हैं, जैसे- क्रिया पद को छाँटना। निबंध अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय मौखिक और लिखित रूप में व्यक्त करते हैं। प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं। जैसे- क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ।

अगस्त	**सप्ताह-1**	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 12. यशपाल- लखनवी अंदाज़	4	यशपाल- लखनवी अंदाज़ अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा-वर्णन, संस्मरण लिखना। नयी रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। वास्तविकता से बेखबर होकर एक बनावटी जीवन शैली के आदी परजीवी संस्कृति को पहचान कर उसका विरोध करते हैं।
	सप्ताह-2	पद्य खंड तुलसीदास- राम-लक्ष्मण-पर शुराम संवाद	5	तुलसीदास- राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। अन्य भाषा संरचनाओं की समझ विकसित करते हैं, जैसे- हिन्दी और अवधी कविता में प्रयुक्त भाषा सौन्दर्य को पहचानना जैसे- अलंकार इत्यादि।
	सप्ताह-3	कृतिका भाग-2 2. कमलेश्वर- जोर्ज पंचम की नाक	4	कमलेश्वर- जोर्ज पंचम की नाक विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरुप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। जैसे- व्यंग्य विधा प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं सरकारी तंत्र पर किए गए व्यंग्य-प्रहार को समझते हैं।
	सप्ताह-4	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 13. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – मानवीय करुणा की दिव्य चमक	4	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – मानवीय करुणा की दिव्य चमक विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरुप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। जैसे- संस्मरण विधा अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा-वर्णन, संस्मरण लिखना। फादर बुल्के के चारित्रिक एवं व्यावहारिक गुणों से प्रेरणा लेंगे।
	सप्ताह-5	रचना विज्ञापन लेखन	3	विज्ञापन लेखन फिल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी समीक्षा लिखते हुए, दृश्यमाध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं। परिवेशगत भाषा प्रयोगों पर प्रश्न करते हैं। जैसे- रेलवे स्टेशन/एअरपोर्ट/ बस स्टैंड, ट्रक, ऑटो रिक्शा पर लिखी कई भाषाओँ में एक ही तरह की बातों पर ध्यान देंगे।

सितंबर	**सप्ताह-1 और 2**	पद्य खंड 5.सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – उत्साह, अट नहीं रही है	4	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – उत्साह, अट नहीं रही है भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार,वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। छंदमुक्त, चित्रात्मक सम्बोधन शैली प्रकृति चित्रण, मुक्तक छंद, मानवीकरण अलंकार हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बड़ी के प्रति अपना रुझान ब्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक सन्दर्भों/ भाषिक प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं।
	सप्ताह-4	व्याकरण क्रिया	4	क्रिया भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। क्रिया को परिभाषित करते हैं। क्रिया के भेदों को परिभाषित करते हुए सकर्मक क्रिया एवं अकर्मक क्रिया की पहचान करते हैं। मुख्य क्रिया एवं सहायक क्रिया के अंतर को पहचानते हैं।
	सप्ताह-5	रचना अपठित बोध	2	अपठित बोध पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नयी रचनाओं के बारे में जानने/ समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।
अक्टूबर	**सप्ताह- 1**	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 14. मन्नू भंडारी- एक कहानी यह भी	4	मन्नू भंडारी- एक कहानी यह भी विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरुप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। जैसे- आत्मकथा विधा प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं लेखिका के लेखकीय व्यक्तित्व के निर्माण में प्रमुख लोगों की भूमिका को जानेंगे साथ ही परिवेश में अपने ऊपर लोगों के व्यक्तिव का प्रभाव दिखाने का प्रयास करेंगे।
	सप्ताह-2	व्याकरण अव्यय अन्य अविकारी शब्द	5	व्याकरण भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। अव्यय अव्यय को परिभाषित करते हैं। इसके भेदों को जानते हैं। अव्यय का उचित प्रयोग करते हैं। अन्य अविकारी शब्द अन्य अविकारी शब्दों को जानते हुए उनका उचित प्रयोग करते हैं।
	सप्ताह- 3	क्षितिज भाग-2 पद्य खंड नागार्जुन- यह दन्तुरित मुसकान, फसल	5	नागार्जुन- यह दन्तुरित मुसकान, फसल भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। विशिष्टभाषा शैली, वात्सल्य रस, दृश्य बिम्ब और मुक्त छंदको जानते हैं। अन्न का महत्व और मानवीकरण अलंकार को जानते हैं। हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बड़ी के प्रति अपना रुझान ब्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक सन्दर्भों/ भाषिक प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं।
	सप्ताह-4	अपठित पद्यांश	2	
	सप्ताह-5	अनेकार्थी शब्द	2	अनेकार्थी शब्द अनेकार्थी शब्द के भंडार को बढ़ाते हैं एवं सन्दर्भ के साथ उचित उपयोग करते हैं।

नवंबर	**सप्ताह- 2 और 3**	क्षितिज भाग-2 पद्य खंड गिरिजा कुमार माथुर- छाया मत छूना	4	गिरिजा कुमार माथुर- छाया मत छूना भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे- किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। चित्रात्मक एवं प्रतीकात्मक शैली, मुक्तक छंद, ध्वनि साम्य जैसे भाषागत सौंदर्य का आनंद लेते हैं।
	सप्ताह-4 और 5	कृतिका भाग-2 मधु कांकरिया - साना-साना हाथ जोड़ि	5	मधु कांकरिया - साना-साना हाथ जोड़ि विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरुप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। जैसे- यात्रा वृत्तान्त अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा-वर्णन, संस्मरण लिखना। प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं
दिसंबर	**सप्ताह- 1 और 2**	व्याकरण वाक्य और उसके भेद	5	वाक्य भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। वाक्य को परिभाषित करते हैं। वाक्य के भेदों को जानते हैं। सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य एवं मिश्र वाक्य की पहचान करते हैं। सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में एवं सरल तथा संयुक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलते हैं।
	सप्ताह- 3	व्याकरण समास एवं उसके भेद	5	समास एवं उसके भेद भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं। समास को परिभाषित करते हैं। समास के भेदों को जानते हैं। समास विग्रह कर समास का निर्धारण करते हैं।
जनवरी	**सप्ताह-1 और 2**	क्षितिज भाग-2 गद्य खंड 16. यतीन्द्र मिश्र- नौबतखाने में इबादत	4	यतीन्द्र मिश्र- नौबतखाने में इबादत हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बड़ी के प्रति अपना रुझान ब्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक सन्दर्भों/ भाषिक प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं। बिस्मिल्ला खान के व्यक्तिगत जीवन से प्रेरणा लेते हैं तथा संगीत की साधना का सम्मान करते हैं।
	सप्ताह-3	पद्य खंड ऋतुराज – कन्यादान	3	कन्यादान पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं। अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय मौखिक और लिखित रूप में व्यक्त करते हैं। स्त्रियों पर होने वाले अत्याचार को लेकर सचेत रहते हैं।
	सप्ताह-4	व्याकरण वाच्य	4	वाच्य भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं। वाच्य को परिभाषित करते हैं। वाच्य के भेदों को जानते हैं। वाच्य परिवर्तन करते हैं।
	सप्ताह-5	क्षितिज भाग-2 पद्य खंड 9. मंगलेश डबराल – संगतकार	4	मंगलेश डबराल – संगतकार भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे- विशिष्ट शब्द भंडार,वाक्य-संरचना, शैली के प्रायोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि मुक्तक छंद और प्रतीकात्मक शैली को जानते हैं। समाज में 'संगतकार' जैसे लोगों का सम्मान करते हैं।
फ़रवरी		पुनरावृत्ति		पुनरावृत्ति